



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 6, 1974 (चैत्र 16, 1896)

No. 14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1974 (CHAITRA 16, 1896)



इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 28th February 1973 :—

बंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
--------------	--------------------------------	-----------------------------------	-----------------

—शुभ—

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*,

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 387	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारी द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 927
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	555	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	123
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	11	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	2219
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	401	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	193
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	13
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	93
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	767	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	63
		पूरक संख्या 14—	
		23 मार्च, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट	391
		2 मार्च, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु संबंधी आंकड़े	407

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 387	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	927
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	555	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	123
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	11	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	2219
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	401	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	193
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	13
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	93
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (Other than the Administrations of Union Territories)	767	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	63
		SUPPLEMENT No. 14	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 23rd March 1974	391
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 2nd March 1974	407

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च, 1974

शुद्धि-पत्र

सं० 42-प्रेज/74—शुद्धि-पत्र—शनिवार दिनांक 23 मार्च, 1974 के भारतीय राजपत्र के भाग 1, खण्ड 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 31-प्रेज/74, दिनांक 26 जनवरी, 1974 में शुद्धि करने हेतु:—

बास्ते “एयर वाइस मार्शल प्रसन्नता चित्ता संतरा (2839), परिभारिकी”

पढ़ें “एयर वाइस मार्शल प्रशांत चित्त सांवा (2839), परिभारिकी”

दिनांक 27 मार्च, 1974

सं० 43-प्रेज/74—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री राम लाल वर्मा,
पुलिस उप अधीक्षक,
जिला मुरैना,
मध्य प्रदेश।

श्री नेकराम सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक,
जिला मुरैना,
मध्य प्रदेश।

श्री बलभद्र सिंह,
कांस्टेबल सं० 627,
8वीं बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,
छिन्दवाड़ा,
मध्य प्रदेश।

श्री फतेह बट्ट,
कांस्टेबल संख्या 51,
2री बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,
ग्वालियर,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

13 मार्च 1971 को श्री नेकराम सिंह को सूचना मिली कि माधो सिंह के गिरोह के उप नेता कन्याण सिंह के नेतृत्व में एक डाकू दल गांव खोड में आया हुआ है। श्री नेकराम सिंह ने अपनी जान को जोखिम में डाल कर डाकू दल के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इस खबर को पुलिस अधीक्षक तक पहुंचाया। गिरोह पर आक्रमण करने के लिए एक योजना बनाई गई। तदनुसार 14 मार्च 1974 को एक घावे का नियोजन किया गया। श्री नेकराम सिंह को घात लगाने वाली टुकड़ी की सहायता के लिये तैनात किया गया। घात की व्यवस्था कर लेने के बाद वे अपनी प्लाटून के साथ एक उपयुक्त स्थान पर डाकू दल की प्रतीक्षा करने लगे किन्तु डाकुओं ने उनके दल को देख लिया। 4-5 डाकुओं का एक गिरोह घात टुकड़ी को भेद कर भाग निकलने के लिये उनकी ओर बढ़ा। अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए श्री नेकराम सिंह आगे बढ़े। आमने-सामने की मुठभेड़ में उन्होंने डाकू नेता बाबू को मौत के घाट उतार दिया जिसके लिए 2000 रुपये के पुरस्कार की घोषणा की हुई थी।

डाकू गिरोह पर आक्रमण करने की योजना श्री राम लाल वर्मा की कमान में बनाई गई थी। श्री वर्मा ने पुलिस दल को दो टुकड़ियों में विभाजित किया। श्री वर्मा ने स्वयं संदिग्ध क्षेत्र की तलाशी का काम संभाला। जब डाकू दल की घात लगाने वाले दल से मुठभेड़ हुई तो श्री वर्मा तथा उनके दल ने गिरोह के बच निकलने के रास्ते बन्द करने के लिए डाकुओं के गिरोह को घेर लिया। अपने को घेराबन्दी में पाकर डाकू हताश हो गये तथा बच कर भागने का प्रयास करने लगे। उन्होंने श्री वर्मा पर, जो ऊंचे स्थान पर खड़े थे, गोली चलाई। श्री वर्मा अविचलित रहे और गोली चलाते रहे तथा डाकू दल का संहार करने के लिये अपने जवानों को प्रोत्साहित करते रहे। कुछ समय पश्चात् यह धारणा उत्पन्न करने के लिये कि सभी डाकू या तो मारे गये हैं अथवा उनका गोला बारूद खत्म हो गया है, डाकुओं की ओर से गोली चलनी बन्द हो गई। तभी अचानक कुख्यात डाकू गार सिंह नाले से बाहर आया और श्री वर्मा की ओर झपटा। किन्तु उसे गोली से मौत के घाट उतार दिया गया।

डाकुओं से मुठभेड़ के दौरान श्री बलभद्र सिंह आरम्भ से अन्त तक अपनी एल० एम० जी० से उन पर गोली चलाते रहे। जब यह लगा कि सारे डाकू मार दिये गये हैं तो श्री बलभद्र सिंह ने बचे हुए डाकुओं का सफाया करने की कार्यवाही में सक्रिय भाग लिया। जब डाकू गार सिंह ने श्री वर्मा पर आक्रमण करने का प्रयास किया तो श्री बलभद्र सिंह उस डाकू से भिड़ गये। संघर्ष में उनके

दोनों हाथों से गंभीर चोटें आईं किन्तु घावों की परवाह न करते हुए श्री बलभद्र सिंह गोली चलाते रहे और डाकू गार सिंह को मौत के घाट उतार दिया।

श्री फतेह बट्ट उस पुलिस दल के एक सदस्य थे जिसे डाकुओं के स्थान का पता लगाने के लिये तैनात किया गया। जब वे नाले के वाहिनी और डाकुओं की तलाश कर रहे थे तो अचानक डाकुओं ने बच निकलने के लिये नाले से बाहर आने का प्रयास किया। श्री फतेह बट्ट तुरन्त आगे बढ़े उन्होंने डाकुओं पर गोली चलाई और उनके बच निकलने के प्रयास को विफल कर दिया। आमने-सामने के संघर्ष में एक गोली उनके दाहिने कंधे में लगी किन्तु श्री बट्ट अविचलित रहे तथा अपने घाव की व निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए डाकुओं पर आक्रमण करते रहे।

श्री राम लाल वर्मा, श्री नेकराम सिंह, श्री बलभद्र सिंह और श्री भतेह बट्ट ने डाकू माधो सिंह तथा बाबू फूला के गिराव के साथ हुए संघर्ष में उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया, तथा 13 डाकुओं को मौत के घाट उतार कर भारी मात्रा में हथियार कब्जे में किये।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत सर्वश्री नेकराम सिंह, बलभद्र सिंह तथा पतेह बट्ट को विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 मार्च, 1971 से दिया जाएगा।

सं० 44-प्रेज/74—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री लक्ष्मी नारायण तिवारी,
पुलिस उप अधीक्षक,
जिला मुरैना,
मध्य प्रदेश।

श्री आशिक मोहम्मद,
कम्पनी कमाण्डर,
2री बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल, ग्वालियर,
मध्य प्रदेश।

श्री मिश्री लाल करारे,
प्लाटून कमाण्डर,
5वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल, मुरैना,
मध्य प्रदेश।

श्री नारायण सिंह,
हैड कांस्टेबल सं० 258,
5वीं बटालियन
विशेष सशस्त्र दल, मुरैना,
मध्य प्रदेश।

श्री सत्य नारायण सिंह,
हैड कांस्टेबल सं० 565,
8वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल, छिन्दवाड़ा,
मध्य प्रदेश।

श्री दामर बहादुर,
हैड कांस्टेबल,
2री बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल, ग्वालियर,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

13 मार्च, 1971 को पुलिस को सूचना मिली कि डाकू माधो सिंह और बाबू-फूला का गिराव गांव खोड में आया हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने डाकुओं के विरुद्ध कार्रवाई करने की एक योजना बनाई और 14 मार्च 1971 को एक घावे का नियोजन किया गया। पुलिस दल को दो टुकड़ियों में बांटा गया। श्री लक्ष्मी नारायण तिवारी को घात दल के नेता के रूप में खोड गांव के समीप कुंवारी नदी की ओर जाने वाले नाले के बाएं किनारे पर तैनात किया गया था। जब गांव की नाकाबंदी को सुदृढ़ किया गया तो डाकुओं ने बच निकलने के लिए घेरा तोड़ने का प्रयास किया। ऐसा करते थे उस स्थान पर जा पहुंचे जहां श्री तिवारी के नेतृत्व वाला दल घात लगाये हुए था। पुलिस दल को देख कर डाकुओं ने उन पर गोली चलाई। श्री तिवारी ने पुलिस दल को जवाब में गोली चलाने का आदेश दिया तथा स्वयं भी अपने दल के साथ डाकुओं पर गोली बारी की। पुलिस दल ने अनेक डाकुओं को हताहत कर दिया तथा उनके बच निकलने के प्रयासों को विफल कर दिया।

श्री आशिक मोहम्मद को उस क्षेत्र की तलाशी का कार्य सौंपा गया था जहां डाकुओं के छुपने का संदेह था। जब पुलिस दल ने नाकाबंदी सुदृढ़ की तो डाकुओं ने उस स्थान की ओर से बच निकलने का प्रयास किया जहां श्री आशिक मोहम्मद का दल तैनात था। पुलिस दल की सतर्कता एवं वीरता के कारण डाकुओं का आक्रमण विफल कर दिया गया तथा अनेकों डाकुओं को हताहत कर दिया गया।

श्री मिश्री लाल करारे को घात-दल का नेतृत्व करने के लिये नियुक्त किया गया। मुठभेड़ के दौरान डाकुओं ने उन पर भारी गोलाबारी की। डाकुओं के बच निकलने के संभावित मार्ग को देखकर श्री करारे आड़ से खुले में आए तथा डाकुओं पर साहस-पूर्वक आक्रमण किया और उन्हें नाले में लौटने को बाध्य किया। श्री करारे ने आमने-सामने की मुठभेड़ में एक डाकू मार डाला।

श्री नारायण सिंह, श्री आशिक मोहम्मद के नेतृत्व में घात लगाने वाले दल के सदस्य थे। मुठभेड़ के दौरान कुछ डाकुओं ने घेरे के उस स्थान से नदी की ओर बच कर भाग निकलने का प्रयास किया जहां श्री नारायण सिंह तैनात थे। श्री नारायण सिंह ने जवाब में गोली चलाई तथा डाकुओं को घेरे के अन्दर वापस जाने के लिये बाध्य किया।

श्री सत्य नारायण सिंह खोज दल के सदस्य थे। मुठभेड़ के दौरान श्री सत्य नारायण सिंह ने देखा कि भागने वाले डाकुओं ने आड़ ले ली है तथा वे अपने स्वचालित हथियारों से पुलिस दल पर गोली चला रहे हैं। यह देखकर कि पुलिस दल की गोलाबारी निष्प्रभावी है, श्री सत्य नारायण सिंह उस स्थान की ओर लगभग 15 मीटर रेंगते हुए गये जहां से डाकू गोली चला रहे थे और डाकुओं पर एक हथगोला फेंका जिस के फलस्वरूप एक डाकू मारा गया तथा अन्य डाकू वहां से हट गये। डाकुओं ने अपनी गोलीबारी का लक्ष्य श्री सत्य नारायण सिंह को बनाया किन्तु उन्होंने एक और डाकू को मार डाला।

श्री दामर बहादुर ने, जो प्रहार करने वाले दल की एक छोटी टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे, डाकुओं को नाले में भागते हुए देखा। श्री दामर बहादुर ने अपने दल के सदस्यों को मोर्चा संभालने तथा डाकुओं के बच निकलने के मार्ग को रोकने का निदेश दिया और स्वयं डाकुओं की ओर रेंगकर जाना शुरू किया। एक डाकू ने उनकी इस गतिविधि को देख लिया और अपनी स्टेनगन से उन पर गोली चलाई। श्री दामर बहादुर अविचलित रहे तथा स्वयं अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए खुले में खड़े हो गये और डाकू को गोली से मार डाला।

इस मुठभेड़ में उपर्युक्त सभी अधिकारियों ने उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया तथा अपने जीवन की सुरक्षा की परवाह न करते हुए 13 डाकुओं को मौत के घाट उतार दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत सर्वश्री आशिक मोहम्मद, मिश्री लाल करारे, नारायण सिंह, सत्य नारायण सिंह तथा दामर बहादुर को विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 मार्च, 1971 से दिया जाएगा।

सं. 45-प्रेज/74-राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सत्य देव दीक्षित,
सकिल पुलिस निरीक्षक,
अम्भा,
जिला मुरैना,
मध्य प्रदेश।

सेवा का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

13 मार्च, 1971 को पुलिस को सूचना मिली कि डाकू माधो सिंह और बाबू-फूला का गिरोह खोड गांव में आया हुआ है। सूचना मिलने पर डाकुओं के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिये पुलिस ने एक योजना बनाई और 14 मार्च, 1971 को एक धावे का नियोजन किया गया। पुलिस दल को दो टुकड़ियों में बांटा गया। श्री सत्य देव दीक्षित उस दल के नेता थे जिसे नाले में डाकू-गिरोह पर घात लगाने के लिये तैनात किया गया था। जब डाकुओं से मुठभेड़ शुरू हुई तो कुछ डाकुओं ने पुलिस के घेरे से बच निकलने की जी तोड़ कोशिश की। जैसे ही डाकू उस स्थान पर पहुंचे जहां श्री दीक्षित

घात लगाये हुए थे, डाकुओं ने पुलिस दल पर भारी गोलीबारी कर दी। श्री दीक्षित डाकुओं की गोलाबारी की परवाह न करते हुए अपने स्थान पर डटे रहे और उन्होंने डाकुओं को वापिस लौटने पर बाध्य कर दिया। बाद में, श्री दीक्षित ने उन दो कांस्टेबलों का जो मुठभेड़ में गम्भीर रूप से घायल हो गये थे, शीघ्र उपचार करके उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में मदद की।

श्री सत्यदेव दीक्षित ने डाकुओं के साथ मुठभेड़ में अनुकरणीय साहस तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली की नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 मार्च, 1971 से दिया जाएगा।

पे० ना० कृष्णमणि
राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव

मंत्रिमण्डल सचिवालय कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 मार्च, 1974

शुद्धि-पत्र

संख्या 4/70/72-के० से० (I)—इस विभाग के सम संख्यक 8 दिनांक 22 जनवरी, 1974 की अधिसूचना में, मद 10 में श्री पी० सोमासेखरन के नाम के नीचे दिए गए शब्दों “वाणिज्य मंत्रालय” की बजाए शब्द “सांस्कृतिक विभाग” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

पी० एल० गुप्ता, अवर सचिव

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अप्रैल, 1974

सं० 10/2/74-के० से० II—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) के ग्रेड 4 के अवर श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थायी रिक्त स्थानों को भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1974 में मंत्रिमंडल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग नई दिल्ली के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा ली जाने वाली, प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

जो उम्मीदवार परीक्षा में बैठने दिये जायेंगे वे निम्नलिखित सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड के रिक्त स्थानों के लिये प्रतियोगिता करने के पात्र समझे जायेंगे।

(1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं।

(2) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा यदि वे सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अतः सेवा संगठनों में नियुक्त हैं, और

(3) भारतीय विदेश सेवा (ख) की ग्रेड 6 में, यदि वे विदेश मंत्रालय या विदेशों में इसकी मिशनों में नियुक्त हैं,

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरे जाने के लिए रिक्त स्थानों की संख्या मंत्रिमंडल सचिवालय के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में निर्दिष्ट की जायेगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्त स्थानों के संबंध में आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित किए जाने के अनुसार किए जायेंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों का अर्थ, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, अनुसूचित तथा अनुसूचित आदिम जातियों (संशोधन) अधिनियम, 1956, संविधान (जम्मू तथा काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंजमान तथा निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पाण्डिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूची (संशोधन) आदेश, 1956 में उल्लिखित जातियों आदिम जातियों में से कोई सी जाति है।

3. इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार मंत्रिमंडल सचिवालय के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा परीक्षा ली जायेगी।

4. दिल्ली और विदेशों में भारतीय निर्धारित मिशनों में किस सारीख और किन स्थानों पर परीक्षा ली जायेगी, इसको सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान नियत करेगा।

5. कोई भी स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जिसके संबंध में निम्नलिखित शर्तें पूरी होती हैं :—

सेवा अवधि

उसने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में अथवा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय और/अथवा अन्तः सेना संगठनों अथवा विदेश मंत्रालय अथवा विदेशों में इसकी मिशनों में किसी उच्च ग्रेड में 1 जनवरी, 1974 को कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की हो। टिप्पणी (1) में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की सीमा तब भी लागू होती यदि उम्मीदवार की कुल गिनती की जाने वाली सेवा आंशिक रूप में किसी मंत्रालय अथवा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में और आंशिक रूप में अन्यत्र उसके समकक्ष या उच्च ग्रेड में या विदेश मंत्रालय में और विदेशों में इसके मिशनों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हो।

टिप्पणी :—2. जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्गबाह्य पदों में प्रतिनियुक्ति पर है वे अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संवर्गबाह्य पद पर नियुक्त किया गया है अथवा स्थानान्तरण पर अन्य सेवा में है और फिलहाल चतुर्थ श्रेणी के पद पर उसका ग्रहण-धिकार बना हुआ है वह अभी अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने का पात्र है।

टिप्पणी :—3. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले कार्यालयों को छोड़कर अन्य कार्यालयों में कार्य कर रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उक्त परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं हैं। केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले कार्यालयों में कार्य कर रहे ऐसे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो सी.सी.एस. (सी.सी.एस. ए०) नियम, 1965 के द्वारा शासित नहीं होते, उक्त परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं हैं।

2. आयु

वह 1 जनवरी, 1974 को 45 वर्ष की आयु से अधिक नहीं होना चाहिए, अर्थात् 2 जनवरी, 1929 से पहले उसका जन्म नहीं हुआ हो।

यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का है तो उपर्युक्त निर्धारित आयु-सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

3. शैक्षिक अर्हता :

उम्मीदवार ने निम्नलिखित परीक्षाओं में से एक परीक्षा पास की हो या निम्नलिखित प्रमाण पत्रों में से एक प्रमाण प्राप्त किया हो :—

- (1) भारत के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा विनियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा,
- (2) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में स्कूल लिखित, माध्यमिक स्कूल हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण पत्र के दिए जाने के लिए ली गई कोई परीक्षा जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष मानती हो।
- (3) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज),
- (4) राज्य सरकारों द्वारा ली जाने वाली यूरोपिय हाई स्कूल परीक्षा,
- (5) दिल्ली पोलिटेक्नीक के तकनीकी हायर सेकंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (6) भारत में किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकंडरी स्कूल/मल्टीपरपज स्कूल द्वारा हायर सैकंडरी पाठ्यक्रम। मल्टीपरपज पाठ्यक्रम (जो किसी उम्मीदवार को

- 3 वर्ष के डिग्री कोर्स के लिए प्रवेश पाने के योग्य बनाती हो) के उपान्तिम वर्ष में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण,
- (7) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार कराने वाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (8) अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पॉडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए,
- (10) बंगाल (साईंस) स्कूल सर्टिफिकेट,
- (11) नेशनल काउन्सिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्) जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) फाइनलनस स्कूल स्टूडेंट्स परीक्षा,
- (12) गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद की विनित परीक्षा,
- (13) पॉडिचेरी के नीचे लिखी फेंच परीक्षाएं:—
- (1) ब्रीवट एलिमेन्ट्रियर (2) ब्रीवे द एंसीमा प्रीमियर द लॉग एंडियन (3) ब्रीवे द एल्यूट टू यू प्रीमियर सिविल (4) ब्रीवे द एंसीमा प्रीमियर सुपीरियर द लॉग इंडियन और (5) ब्रीवे द लॉग इंडियन (वर्नाक्यूलर),
- (14) गोवा, दमन और दीव की पुर्तगाली परीक्षा लाहसिमूम के पाँचवें वर्ष में पास,
- (15) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन,
- (16) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशन टेस्ट,
- (17) एडवांस्ड क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,
- (18) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (19) पूर्वी बंगाल उच्चतर शिक्षा बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र,
- (20) बंगला देश में जैसोर/खुलना/राजशाही/ कोमीला के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए गए माध्यमिक स्कूल के प्रमाण पत्र,
- (21) नेपाल सरकार की स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (22) एंग्लो वर्नाक्यूलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा (बर्मा)
- (23) बर्मा हाई स्कूल फाइनल परीक्षा प्रमाण पत्र,
- (24) शिक्षा विभाग, बर्मा की एंग्लो वर्नाक्यूलर हाई स्कूल परीक्षा (युद्ध पूर्व),
- (25) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट,
- (26) साधारण स्तर पर लंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन नामक परीक्षा यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिंहली या तमिल सहित छह विषयों में पास की गई हो,
- (27) साधारण स्तर पर लंदन के एसोसिएटेड ऐजुकमिनेशन बोर्ड्स की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि यह अंग्रेजी सहित पाँच विषयों में पास की गई हो,
- (28) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/सेकेंडरी तकनीकी स्कूल परीक्षा,
- (29) पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खण्ड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के अन्य विषयों में से एक विषय अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशिष्ट परीक्षा।
- (30) गोवा, दमन तथा दीव की स्वतन्त्रता से पूर्व पोर्तुगीज संगठन के अधीन पानाजी स्थित एस्कोला इण्डस्ट्रियल कमीशियरल डी गोवा द्वारा दिये गए। कार्टाडी कुर्सी डी फार्माकाओं डी सेरालहीरो (लोहारबाना पाठ्यक्रम का सर्टिफिकेट) तथा कार्टाडी कुर्सी डी मोण्टाडोर इलेक्ट्रिसिस्टा (इलेक्ट्रिशियन कोर्स का सर्टिफिकेट)
- (31) राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालेज डिप्लोमा परीक्षा,
- (32) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित 'माध्यमा' परीक्षा,
- (33) कारपोरल के रैंक में पदोन्नति के लिए शिक्षा निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा ली जाने वाली भारतीय वायुसेना शैक्षिक परीक्षा,
- (34) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ली गई विज्ञान आईक विज्ञान परीक्षा, 1965
- (35) शिक्षा मंत्रालय, मलेशिया के सहयोग से कैम्ब्रिज लोकल एजुकमिनेशनस सिंडीकेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मलेशिया सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा।
- (36) पंजाब विश्वविद्यालय की उच्चतर माध्यमिक (कोर विषय) परीक्षा।
- (37) बाल प्रशिक्षण संस्थान, विशाखापटनम द्वारा संचालित पॉसिंग आउट (भारतीय नौसेना) परीक्षा।

टिप्पणी: 1 यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा दे चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर यह इस परीक्षा में बैठ सकता है, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में यह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उक्त किसी आर्हक (क्वालीफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं बशर्ते कि यह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाए। अन्य शर्तें पूरी होने पर ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की यह अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण यथा शीघ्र और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने में प्रस्तुत नहीं करते हैं तो वह अनुमाति रद्द कर दी जा सकेगी।

टिप्पणी 2: कुछ आपवादिक मामलों में केन्द्रीय सरकार किसी ऐसे उम्मीदवार को अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है जिसके पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है, जो उस सरकार की राय में परीक्षा में बैठने के लिए उचित है।

- (6) परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।
- (7) किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास 'संस्थान' का प्रवेश पत्र न हो।

- (8) यदि कोई उम्मीदवार संस्थान द्वारा इस बात के लिए दोषी घोषित किया जाए या किया गया हो कि उसने दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रलेख अथवा ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें कि हेरा-फेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिए गए हैं या कोई महत्वपूर्ण बात छिपाई है या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है अथवा परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों को प्रयोग किया है या प्रयोग करने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में या इस के अर्हते में कोई दुर्व्यवहार किया है या संस्थान द्वारा अथवा सुपरवाइजर / निरीक्षक द्वारा जारी किये गये आदेशों का पालन नहीं किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाये जाने के अतिरिक्त :—

(क) संस्थान उसे उम्मीदवारों के चुनाव के लिए संस्थान द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने से रोक सकता है, और

(ख) उपयुक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

- (9) यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

- (10) परीक्षा के बाद संस्थान ऐसे उम्मीदवारों की जो टंकण परीक्षा में पास हो गये हैं या जिन्हें टंकण परीक्षा से छूट दे दी गई है। अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से तीन अलग अलग सूचियाँ बनाएगा, और उसी क्रम से परीक्षा के परिणामों के आधार पर क्रमशः केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड 6 में भरे जाने के लिए निश्चित अनारक्षित रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार जितने उम्मीदवार परीक्षा द्वारा अर्हता प्राप्त होंगे, उनकी नियुक्ति के लिए संस्थान सिफारिश करेगा। लेकिन शर्त यह है कि अनुसूचित

जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियाँ सामान्य स्तर के आधार पर नहीं भरी जा सकती आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए उतनी रिक्तियों तक के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा एक रियायती स्तर से किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की, यदि वे उम्मीदवार सेवा में चुने जाने के लिए उपयुक्त हों, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनकी स्थिति का विचार करते हुए, सिफारिश की जा सकेगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है, अर्हक परीक्षा नहीं। परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्न श्रेणी ग्रेड के लिए प्रवर सूची में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की संस्था का निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह से सक्षम है। इसलिए इस परीक्षा में निष्पादन के आधार पर निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में नियुक्ति के लिए अधिकार के रूप में कोई उम्मीदवार दावा नहीं कर सकेगा।

- (11) हर एक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाय, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान परिणामों, के संबंध में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

- (12) जब तक आवश्यक जाँच के बाद सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकारी नहीं मिल जाता।

- (13) उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ है कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी जिन के बारे में नियुक्त संबंध में विचार किए जाने की सम्भावना हो।

टिप्पणी—विकलांग भूतपूर्व रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामलों में रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरी बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

- (14) यदि कोई उम्मीदवार, परीक्षा में प्रवेश-पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपने चतुर्थ श्रेणी पद की नियुक्ति से त्यागपत्र दे देता है अथवा और किसी कारणवश सेवा या सेवाएं छोड़ देता है

अथवा उससे संबंध विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा वह संवर्ग-बाह्य पद पर अथवा अन्य सेवा में "स्थानान्तरण" पर नियुक्ति किया जाता है और चतुर्थ श्रेणी पद पर उसका पुनर्ग्रहण-अधिकार नहीं रहता है, तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

कै० बी० नायर
अवर सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी :—

भाग-I—लिखित परीक्षा :—लिखित परीक्षा के विषय :
परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र सं०	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1.	सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबंध—		
	(क) लघु निबंध	100	3 घंटे
	(ख) सामान्य अंग्रेजी	100	
2.	सामान्य ज्ञान भारतीय भूगोल सहित सामान्य ज्ञान	100	2 घंटे

भाग-II—टंकण परीक्षा : संस्थान के विवेकानुसार लिखित परीक्षा में निर्धारित कम से कम स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवार ही टंकण परीक्षा के पात्र होंगे।

टंकण परीक्षा के निम्न दो प्रश्न पत्र होंगे :—

पत्र सं०	विषय	दिया गया समय
1.	रनिंग मेटर (सोधा विषय)	10 मिनट
2.	टेबुलर स्टेटमेंट (मारणी)	10 मिनट

परीक्षा के नियमों के नियम 10 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे।

टिप्पणी (I) :— परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र के साथ जो उम्मीदवार समक्ष बिकित्वा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से लेकर यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे कि शारीरिक अयोग्यता के कारण वह सदा के लिए टंकण परीक्षा पास करने के अयोग्य है तो केन्द्रीय सरकार के मंत्रि मंडल सचिवालय में कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के पूर्व अनुमोदन से उसे इस परीक्षा के देने और पास करने से छूट मिल सकती है।

टिप्पणी (II) :— उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी ही टाईप मशीन लानी होगी। स्टेन्डर्ड साईज रोलर वाली टाईप मशीन परीक्षा के दोनों ही प्रश्न पत्रों में काम दे सकेगी।

2. परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिए अनुसार होगा।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्नपत्र 1 की मध (क) तथा प्रश्न पत्र 2 या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि में) किसी में करें।

प्रश्न पत्र 1 मध (ख) के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए। उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में दें अथवा हिन्दी (देवनागरी) लिपि में।

टिप्पणी (1) :— प्रश्न पत्र 2 में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी, इसी प्रश्न पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिए नहीं।

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 मार्च 1974

सं० 7(10)/74-सी० एल०-2—कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (4) के खंड (ख) के उप-खंड (2) के अनुसरण में, कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा, भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के निम्नांकित अधिकारियों को, कथित धारा 209 के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करती है :—

1. श्री एस० बलरामन, उप-निदेशक, निरीक्षण, नई दिल्ली।
2. श्री बी० डी० गुप्ता, निरीक्षण अधिकारी, बम्बई।

2. कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा, विधि मंत्रालय के दिनांक 1-7-66 के आदेश सं० 51 (1) 65 सी० एल०-2 के अनुसार, श्री बी० डी० गुप्ता के पक्ष में पहले के प्रेषित प्राधिकरण का प्रतिसंहरण करता है।

टी० एस० श्रीनिवासन
संयुक्त निदेशक, निरीक्षण, एवं
पब्लिक, उप-सचिव,

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय**(परिवार नियोजन विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1974

संकल्प

सं० 5-21/73-एम० सी० एच०—स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (परिवार नियोजन विभाग) के दिनांक 30 मार्च, 1972 के संकल्प सं० 5-19/69-एम० सी० एच० में प्रांशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने निर्णय किया है कि श्रीमती ज्योत्सना चंदा, संसद-सदस्या (लोक-सभा) का निधन हो जाने के कारण उनके स्थान पर श्रीमती प्रेमलाबाई चवन, संसद सदस्या (लोक-सभा) काउन्ट्रेस आफ डिफरिन्स फण्ड की सलाहकार समिति की सदस्य होंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि सभी राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए।

आनन्द प्रकाश अत्री, उप-सचिव

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1974

संकल्प

सं० एफ०-1-46/69-एस० डब्ल्यू०-3—समाज कल्याण विभाग के संकल्प संख्या एफ०-1-46/69-एस० डब्ल्यू०-3 दिनांक 19 दिसम्बर, 1973 जिसके द्वारा केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड (कम्पनी) के कार्यालय, अर्थात् बोर्ड के अध्यक्ष, साधारण निकाय के सदस्यों तथा कार्यकारी समिति के सदस्यों का कार्यकाल 31 मार्च, 1974 तक तथा सहित बढ़ा दिया गया था, के अनुक्रम में भारत सरकार महर्ष यह निर्णय करती है कि कम्पनी के एसोशिएशन के अनुच्छेदों के अनुच्छेद 7 के उपबन्धों के अधीन बोर्ड के कार्यालय अर्थात् बोर्ड के अध्यक्ष, साधारण निकाय के सदस्यों तथा कार्यकारी समिति के सदस्यों का कार्यकाल 1 अप्रैल, 1974 से 30 जून 1974 तक तथा समेत तीन मास की और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि निम्नलिखित को प्रेषित की जाए :—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सब सदस्य।

2. सब राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र।

3. भारत सरकार के सब मंत्रालय/विभाग।

4. राष्ट्रपति सचिवालय।

5. मंत्रीमण्डल सचिवालय।

6. योजना आयोग।

7. लोक सभा/राज्य सभा/प्रधान मंत्री सचिवालय।

8. पत्र सूचना कार्यालय।

9. महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।

10. कम्पनी कार्य विभाग।

11. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।

12. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी कानून बोर्ड, नई दिल्ली।

13. सचिव, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली।

14. राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के सब अध्यक्ष।

यह भी आदेश किया जाता है कि इस संकल्प को साधारण जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जे० पी० सक्सेना, अवसर सचिव

नौवहन और परिवहन मंत्रालय**(सड़क पक्ष)**

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1974

संकल्प

सं० एन० एच० 5-11 (6)/73—दिल्ली बन्दई सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग 3) पर धौलपुर के पास चम्बल पुल के चार मेहराबी दरों के टूटने के कारणों की जांच करने के लिए विशेषज्ञों की समिति की नियुक्ति के बारे में इस मंत्रालय के संकल्प सं० एन० एच० 5-11 (6)/73 दिनांक 8 मई, 1973 में और यह निश्चय किया गया है कि श्री ओ० मुथाचेन जो छुट्टी पर है के स्थान पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थानापन्न इंजीनियर-इन-चीफ श्री एम० एस० भाटिया को समिति के सदस्य नामित किया जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति प्रबंधक भारत सरकार मुख्यालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली को भेजी जाए।

प्रतिलिपि प्रेषित :—

1. श्री एस० एन० सिन्हा, अध्यक्ष, चम्बल पुल समिति। सदस्य

2. श्री यू० एस० राव, अपर सदस्य, सिविल इंजीनियर, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली सदस्य
3. श्री एम० एस० भाटिया, स्थानापन्न इंजीनियर-इन-चीफ, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली। सदस्य
4. मेजर जनरल जे० एस० बाबा, महानिदेशक (सीमा सड़क) नई दिल्ली। सदस्य
5. श्री वी० एस० कृष्णनस्वामी, उप महानिदेशक भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण लखनऊ। सदस्य
6. श्री डी० पी० जैन, चीफ इंजीनियर लोक निर्माण विभाग, राजस्थान, जयपुर। सदस्य
7. श्री डी० टी० ग्रोवर, चीफ इंजीनियर (पुल), नौवहन और परिवहन मंत्रालय, (सड़क पक्ष) नई दिल्ली। सदस्य-सचिव
8. सभी राज्य सरकार/स्थानीय प्रशासन।
9. सीमा पथ विकास बोर्ड।
10. रेलवे बोर्ड।
11. भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण।
12. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अपने-अपने राज्य सरकार के राजपत्रों में प्रकाशित किया जाए।

वीरेन्द्र राज मेहता, उप-सचिव

1. राष्ट्रपति के सचिवालय, उप राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री के सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय के सहित भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभाग।

2. नौवहन और परिवहन मंत्रालय, (सड़क पक्ष) के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों और इंजीनियर सम्पर्क कार्यालय।

के० लक्ष्मना, अवसर सचिव

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1974

संकल्प

सं० 19/3/72-प्रेस—इस मंत्रालय के संकल्प सं० 19/2/72-प्रेस दिनांक 21 जुलाई, 1973 के क्रम में राष्ट्रपति ने समाचार-पत्र उद्योग की अर्थ व्यवस्था की जांच करने वाली तथ्य श्रवण समिति का कार्यकाल 30 जून, 1974 तक बढ़ा दिया है।

आवेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सर्वे-साधारण की सूचनायें भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाए और सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को भेजी जाए।

ए० जे० किदवाई, सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 27th March 1974

No. 43-Pres/74.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

Name and Ranks of the Officers

Shri Ram Lal Varma,
Deputy Superintendent of Police,
District Morena,
Madhya Pradesh.

Shri Nekram Singh,
Sub Inspector of Police,
District Morena,
Madhya Pradesh.

Shri Balbhadra Singh,
Constable No. 627,
8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

Shri Fateh Butt,
Constable No. 51,
2nd Battalion,
Special Armed Force,
Gwalior,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded :—

On 13th March 1971, information was received by Shri Nekram Singh that a dacoit gang led by Kalyan Singh, second-in-command of Madho Singh's gang had come to village Khod. At a considerable risk to his own life, Shri Nekram Singh collected details of the plan of the dacoit gang. He communicated the information so obtained to the Superintendent of Police, and a plan for the encounter with the gang was chalked out. Accordingly a raid was organised on the 14th March 1971. Shri Nekram Singh was deployed to assist the ambush party. After the ambush was laid, he waited at a vantage position with his platoon for the dacoit gang but his party was sighted. A group of 4-5 dacoits advanced towards him in order to make a dent in the ambush party and escape. In utter disregard of his personal safety, Shri Nekram Singh came forward and in a close quarter fight, shot dead the dacoit-leader Babu who carried a reward of Rs. 2,000/-.

The encounter against the dacoit gang was organised under the overall command of Shri Ram Lal Varma. Shri Varma divided the Police party into two groups. Shri Varma himself undertook the task of searching the suspected area. When the dacoit gang clashed with the ambush party, Shri Varma with his party encircled the dacoit gang with a view to close the escape routes of the gang. Finding themselves encircled, the dacoits became desperate and tried to escape. They fired at Shri Varma, who was standing at a high feature. Shri Varma, however, remained undeterred and kept on firing and exhorting his men to annihilate the dacoit gang. After some time firing from towards the place held by dacoits stopped creating the impression that all the dacoits have either

been killed or ran out of the ammunition. Then, suddenly, Gar Singh a notorious dacoit came out of the Nallah and made a dash towards Shri Varma. But he was shot dead.

Throughout the encounter with the dacoits, Shri Balbhadra Singh kept on firing on the dacoits, from his L. M. G. When it was presumed that all the dacoits had been shot dead, Shri Balbhadra Singh took active part in the mopping up operations. When the dacoit Gar Singh tried to attack Shri Varma, Shri Balbhadra Singh engaged the dacoit. In the encounter, he had received serious injuries on both his hand but in disregard of the injuries, Shri Balbhadra Singh continued firing and shot dead the dacoit Gar Singh.

Shri Fateh Butt was a member of the Police party which was deployed to search the area for the dacoits. When he was looking for the dacoits on the right side of the Nallah, suddenly the dacoits tried to come out of the Nallah with a view to make their escape. Shri Fateh Butt rushed forward and opened fire on the dacoits and foiled their attempt to escape. In the close quarter firing a bullet pierced through his right shoulder but Shri Butt remained undeterred and continued to attack the dacoits in disregard of his injury and his own personal safety.

In the encounter with the gang of dacoit Madho Singh and Babu-Phoola, Shri Ram Lal Varma, Shri Nekram Singh, Shri Balbhadra Singh and Shri Fateh Butt displayed conspicuous gallantry and shot dead 13 dacoits and captured a large number of weapons.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently in the cases of Sarvashri Nekram Singh, Balbhadra Singh and Fateh Butt, the awards carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th March 1971.

No. 44-Pres/74.—The President is pleased to award the police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

Names and ranks of the Officers

Shri Laxmi Narain Tiwari,
Deputy Superintendent of Police,
District Morena,
Madhya Pradesh.

Shri Ashiq Mohammad,
Company Commander,
2nd Battalion,
Special Armed Force,
Gwalior,
Madhya Pradesh.

Shri Mishri Lal Karare,
Platoon Commander,
5th Battalion,
Special Armed Force,
Morena,
Madhya Pradesh.

Shri Narayan Singh,
Head Constable No. 258,
5th Battalion,
Special Armed Force,
Morena,
Madhya Pradesh.

Shri Satya Narayan Singh,
Head Constable No. 565,
8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

Shri Damar Bahadur,
Head Constable,
2nd Battalion,
Special Armed Force,
Gwalior,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded :—

On 13th March 1971, information was received by the Police that the gang of dacoit Madho Singh and Babu-Phoola had come to village Khod. On receipt of the information, a plan of action against the dacoits was chalked out by the Police and a raid was organised on the 14th March 1971. The Police party was divided into two groups. Shri Laxmi Narain Tiwari was detailed on the left bank of the Nallah leading to river Kunwari near village Khod as the leader of the ambush party. When the cordon round the village tightened, the dacoits tried to break the cordon with a view to escape. While doing so, they reached near the place where the party led by Shri Tiwari lay in ambush. On sighting the police party, the dacoits fired at them. Shri Tiwari directed the Police party to return the fire and he himself fired along with his party on the dacoits. The police party succeeded in inflicting many casualties on the dacoits and foiled their attempts to escape.

Shri Ashiq Mohammad was allotted the task of searching the area where the dacoits were suspected to be hiding. When the police party tightened the cordon, the dacoits tried to escape from towards the place, where Shri Ashiq Mohammad's party was deployed. Due to the vigilance and bravery shown by the police party, the thrust of the dacoits was repelled and many casualties were inflicted on them.

Shri Mishri Lal Karare was detailed to lead an ambush party. During the course of the encounter, he came under heavy fire from the dacoits. Visualising the probable route of escape of the dacoits, Shri Karare left his cover and made a brave charge on the dacoits and forced them to run into the Nallah. Shri Karare killed one of the dacoits in a close fighting.

Shri Narayan Singh was a member of the ambush party led by Shri Ashiq Mohammad. During the encounter, a group of dacoits tried to get out of the cordon and escape towards the river from the place which was occupied by Shri Narayan Singh. Shri Narayan Singh returned the fire and forced the dacoits back into the cordon.

Shri Satya Narayan Singh was a member of the search party. During the course of the encounter, Shri Satya Narayan Singh saw that the fleeing dacoits had taken cover and were firing with their automatic weapons on the police party. Finding that the fire from the police party was ineffective, Shri Satya Narayan Singh crawled about 15 meters towards the place from where dacoits were firing and a hand grenade on the dacoits which resulted in the death of one dacoit and dislodging of the others. The dacoits directed concentrated fire on Shri Satya Narayan Singh but he shot dead one more dacoit.

Shri Damar Bahadur who was leading a small group of striking party saw the dacoits running into the Nallah. Shri Damar Bahadur directed his men to take position and block the route of escape of the dacoits and he himself started crawling towards the dacoits. One of the dacoits noticed his movement and fired at him with his sten-gun. Shri Damar Bahadur remained undeterred and in disregard of his personal safety, stood up in the open and shot dead one dacoit.

In the encounter, all the officers mentioned above exhibited conspicuous gallantry and without caring for their personal safety killed 13 dacoits.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently in the cases of Sarvashri Ashiq Mohammad, Mishri Lal Karare, Narayan Singh, Satya Narayan Singh and Damar Bahadur, the awards carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th March 1971.

No. 45-Pres./74.—The President is pleased to award the Bar to the Police Medal for gallantry to the under-mentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Satya Dev Dixit,
Circle Inspector of Police,
Ambha,
District Morena,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 13th March, 1971 information was received by the Police that a gang of dacoits Madho Singh and Babu Phoola had come to village Khod. On receipt of the information, a plan of action against the dacoits was chalked out by the Police and a raid was organised on the 14th March, 1971. The Police party was divided into two groups. Shri Satya Dev Dixit was leader of the party which was detailed to ambush the dacoit gang in the Nallah. When the encounter with the dacoits started, a group of dacoits made a determined bid to escape through the police cordon. As they approached the place where Shri Dixit lay in ambush the dacoits opened heavy fire on the Police party. Undeterred by the firing of the dacoits Shri Dixit held the ground and made the dacoits to retreat. Later, Shri Dixit also rendered immediate medical aid to two constables who were severely wounded in the encounter and helped in moving them to a safe place.

Shri Satya Dev Dixit exhibited exemplary courage and devotion to duty in the encounter with the dacoits.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th March, 1971.

P. N. KRISHNA MANI
Joint Secretary to the President

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMN.
REFORMS

CORRIGENDUM

New Delhi-110001, the 22nd March 1974

No. 4/70/72-CS(I).—For the words "Ministry of Commerce" appearing in this Department's Notification of even number dated 22nd January, 1974, in item No. 10 below the name of Shri P. Somasekharan, the words "Department of Culture" shall be substituted.

P. L. GUPTA, Dy. Secy.

RULES

New Delhi-110001, the 6th April 1974

No. 10/2/74-CS(II).—The rules for a competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management Department of Personnel & Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat, New Delhi in 1974 for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Class IV Staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, the Armed Forces Headquarters Clerical Service and Grade VI of the Indian Foreign Service Branch (B) are published for general information.

The candidates who are admitted to the examination will be eligible to compete for vacancies in the Lower Division Grade :

- (i) in the Central Secretariat Clerical Service, if they are working in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service.
- (ii) in the Armed Forces Headquarters Clerical Service if they are employed in the Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations; and
- (iii) in Grade VI of the IFS(B) if they are employed in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute of Secretariat Training & Management, Department of Personnel & Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat. Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Caste/Tribe Lists (Modification) Order, 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management, Department of Personnel & Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

4. The date on which and the place(s) at which the examination will be held at Delhi and selected Indian Missions abroad shall be fixed by the Institute of Secretariat Training & Management.

5. Any permanent or regularly appointed temporary Class IV employee who satisfies the following condition shall be eligible to appear at the examination.

1. *Length of Service*—He should have rendered on 1st January, 1974 not less than 5 years approved and continuous service as a Class IV employee or in any higher grade in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service or Armed Forces Headquarters and/or Inter Service Organisations or in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad.

NOTE (1)—The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of the candidate is partly as a Class IV employee in any Ministry or Office participating in the Central Secretariat

Clerical Service or in the offices participating in the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly elsewhere in equivalent or higher grade or as Class IV employee in the Ministry of External Affairs and its Missions abroad.

NOTE (2).—Class IV employees who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. A Class IV employee who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on transfer and continues to have a lien on a Class IV post for the time being will also be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

NOTE (3).—Class IV employees working in offices other than those participating in the Central Secretariat Clerical Service are not eligible to appear in the examination. Class IV employees working in offices participating in the Central Secretariat Clerical Service who are not governed by the C.C.S. (C.C.A.) Rules, 1965, are also not eligible to appear in the examination.

II. Age.—He should not be more than 45 years of age on 1st January, 1973 i.e., he must not have been born earlier than 2nd January, 1929.

The age limit prescribed above will be relaxable up to a maximum of 5 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

III. Educational Qualification.—Candidates must have passed one of the following examinations or possess one of the following certificates :—

- (i) Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;
- (ii) An examination held by the State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation Certificate for entry into service;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Certificate Examination held by the State Government;
- (v) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vi) Pass in the Examination held by a recognised Higher Secondary School/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the three year degree course);
- (vii) Tenth Class Certificate from a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (viii) Tenth Class Certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
- (ix) Junior Examination of Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (since inception);
- (xii) 'Vinit' Examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xiii) The following French Examinations of Pondicherry :
 - (i) 'Brevet Elémentaire' (ii) 'Brevet D Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) 'Brevet d' études du Premier Cycle' (iv) 'Brevet D Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) Brevet D' Langue Indienne (Vernacular);

- (xiv) Pass in the 5th year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xv) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xvi) Higher Educational Test of the Indian Navy;
- (xvii) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xviii) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xix) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xx) Secondary School Certificate granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna/Jessore in Bangla Desh;
- (xxi) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xxii) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (xxiii) Burma High School Final Examination Certificate;
- (xxiv) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-War);
- (xxv) Post-War School Leaving Certificate of Burma;
- (xxvi) General Certificate of Education Examination of Ceylon at Ordinary Level provided it is passed in five subjects including English and Mathematics and either Sinhalese or Tamil;
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Board, London at 'Ordinary' level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Boards of Technical Education;
- (xxix) Purva Madhyama (with English) or old Khand Madhyama first two years course and special examination in additional subjects with English as one of the subjects of the Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalyaya, Varanasi;
- (xxx) Carta de Curso de Formacao de Serralheiro (Certificate in Smithy Course) and Carta de Curso de Montador Electricista (Certificate in Electrician Course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa, Panaji, under the Portuguese set up prior to liberation of Goa, Daman and Diu;
- (xxxi) Rashtriya Indian Military College Diploma Examination;
- (xxxii) 'Madhyama' examination conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi;
- (xxxiii) IAF Educational Test for promotion to the rank of Corporal conducted by the Directorate of Education, Air Headquarters, New Delhi;
- (xxxiv) Qualifying Science Examination, 1965, conducted by the Delhi University;
- (xxxv) Malaysian Certificate of Education Examination of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate conducted in collaboration with the Ministry of Education, Malaysia;
- (xxxvi) Higher Secondary (core subjects) Examination of Punjab University; and
- (xxxvii) Passing out (Indian Navy) Examination, conducted by Boys' Training Establishment, Visakhapatnam.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the date of this examination.

NOTE II.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possess qualification, the standard of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

6. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

8. A candidate who is or has been declared by the Institute guilty of impersonation or submitting fabricated document or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall or its precincts or of not complying with the instructions issued by the Institute or the Supervisor/Invigilator may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution :

(a) be debarred permanently or for a specified period by the Institute from admission to any examination or appearance at any interview held by the Institute for selection of candidates; and

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. After the examination, the candidates who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom, will be arranged by the Institute in three separate lists, in the order of merit, as disclosed by aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the Examination, in the Central Secretariat Clerical Service, Armed Forces Headquarters Clerical Service and Grade VI of IFS (B) respectively.

Provided that the candidates belonging to any of the scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Note.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to the Lower Division Grade on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment as Lower Division Clerk on the basis of his performance in this examination as a matter of right.

11. The form manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in their discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the results.

12. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is eligible and suitable in all respects for appointment to the Service.

13. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of the disabled ex-Defence Services personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of an appointment.

14. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment as a Class IV employee, or otherwise quits the Service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien on a Class IV post will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a Class IV employee who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

K. B. NAIR
Under Secy.

APPENDIX

1. The examination will be conducted according to following schemes :—

Part I—*Written examination*—The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum marks	Time allowed
I	General English & Short Essay		
	(a) Short Essay	100	3 hours
	(b) General English	100	
II	General Knowledge including Geography of India	100	2 hours

Part II—*Typewriting Test*—Only those candidates, who attained at the written examination, a minimum standard as may be fixed by the Institute in their discretion, will be eligible to take the Typewriting Test.

The Typewriting Test will consist of the following two papers :—

Paper No.	Subject	Time allowed
1.	Running Matter	10 minutes
2.	Tabular Statement	10 minutes

Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 w.p.m. in English or not less than 25 w.p.m. in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of rule 10 of the Rules for the examination.

NOTE I—A candidate, who furnishes, along with his application for admission to the examination, a certificate from the competent medical authority i.e., the Civil Surgeon, declaring him to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability, may, with the prior approval of the Central Government in the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test.

NOTE II.—Candidates will be required to bring their own typewriters for the typewriting test. A typewriter with the standard size roller will do for both the papers of the test.

2. The syllabus for the written examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer item (a) of paper I or paper II or both either in Hindi (in devnagri script) or in English. Item (b) or paper I must be answered in English by all candidates.

Candidates are also allowed the option to take the Typewriting Test either in Hindi (in Devanagiri script) or in English.

NOTE 1 :—The option for paper II will be for the complete paper and not for different questions in it.

NOTE 2 :—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the written examinations take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagiri script) should indicate their intention to do so clearly in Cols. 13 and 14 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the papers/take the Typewriting Test in English.

NOTE 3 :—The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

NOTE 4 :—No credit will be given for answers written or Typewriting Test taken in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Institute has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the written examination.

SCHEDULE

SYLLABUS FOR THE EXAMINATION

General English and Short Essay

(a) *Short Essay*—An essay to be written on one of several specified subjects.

(b) *General English*—Candidates will be tested in the following :

- (i) Drafting;
- (ii) Precis writing;
- (iii) Applied Grammar; and
- (iv) Elementary tabulation (To test candidate's ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

General Knowledge including Geography of India

Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

New Delhi-1, the 22nd March 1974

ORDER

No. 7(10)/74-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (4) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby authorises the following officers of the Government of India, in the Department of Company

Affairs, for the purposes for the said Section 209 :—

1. Shri S. Balaraman, Dy. Director of Inspection, New Delhi.
2. Shri B. D. Gupta, Inspecting Officer, Bombay.

2. The Company Law Board hereby revokes the authorisation earlier issued in favour of Shri B. D. Gupta vide Ministry of Law order No. 51(1)65-CL.II dated the 1-7-1966.

T. S. SRINIVASAN, Jt. Director
of Inspection & *Ex-Officio* Deputy Secy.
to the Company Law Board

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (DEPARTMENT OF FAMILY PLANNING)

New Delhi, the 20th March 1974

RESOLUTION

No. 5-21/73-MCH.—In partial modification of the Ministry of Health and Family Planning (Department of Family Planning) Resolution No. 5-19/69-MCH dated the 30th March, 1972, the Government of India have decided that Shrimati Premalabai Chavan, Member of the Parliament (Lok Sabha) shall be member of the Advisory Committee of the Countests of Dufferin's Fund vice Shrimati Jyotsna Chanda, Member of the Parliament (Lok Sabha) who expired.

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments/Union Territories. ORDERED further that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

A. P. ATRI, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE)

New Delhi-110001, the 21st March 1974

RESOLUTION

No. F.1-46/69-SW.3(WW).—In continuation of the Department of Social Welfare Resolution No. F.1-46/69-SW.3(WW) dated the 19th December, 1973 extending the term of the office of the Board, namely, the Chairman, Members of the General Body and Members of the Executive Committee of the Central Social Welfare Board (Company), till and including the 31st March, 1974, the Government of India have been pleased to decide that subject to the provisions of Article 7 of the Articles of Association of the Company, the term of the office of the Board, namely, the Chairman of the Board members of the General Body and the Executive Committee of the Board be extended for a further period of the 3 months commencing from the 1st April, 1974 till and including the 30th June, 1974.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All the members of the Central Social Welfare Board.
2. All the State Governments/Union Territories.
3. All the Ministries/Departments of the Government of India.
4. President's Secretariat.
5. Cabinet Secretariat
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat/P.M's Secretariat.
8. Press Information Bureau.
9. Accountant General, Central Revenues, New Delhi.
10. Department of Company Affairs.
11. Registrar of Companies, New Delhi.

12. Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
13. Secretary, Central Social Welfare Board, New Delhi.
14. All Chairmen, State Social Welfare Advisory Boards.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

J. P. SAXENA, Under Secy.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(ROADS WING)

New Delhi, the 12th March 1974

RESOLUTION

No. NHV-11(6)/73.—Further to this Ministry's Resolution No. NHV-11(6)/73 dated the 8th May 1973 regarding the appointment of the Committee of Experts to investigate the causes of the collapse of four arched spans of the Chambal Bridge near Dholpur on Delhi-Bombay Road (N.H. No. 3), it has been decided that Shri M. S. Bhatia, Officiating Engineer-in-Chief of the C.P.W.D., be nominated as a member of the Committee in place of Shri O. Muthachen, who is on leave.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

Copy forwarded to :—

The Manager, Govt. of India Press, Minto Road, New Delhi.

- (i) Shri S. N. Sinha
Chairman, Chemical Bridge Committee.
- (ii) Shri U. S. Rao,
Additional Member,
Civil Engineer, Railway Board,
New Delhi. Member
- (iii) Shri M. S. Bhatia,
Officiating Engineer-in-Chief,
C.P.W.D., New Delhi. Member

- (iv) Major General J. S. Bawa,
Director General (Border Roads),
New Delhi. Member
- (v) Shri V. S. Krishnaswamy,
Dy. Director General,
Geological Survey of India,
Lucknow. Member
- (vi) Shri D. P. Jain,
Chief Engineer, P.W.D.,
Rajasthan, Jaipur. Member
- (vii) Shri D. T. Grover,
Chief Engineer (Bridges),
Ministry of Shipping & Transport,
(Roads Wing), New Delhi. Member
Secretary
- (viii) All State Governments/Local Administrations.
- (ix) Border Road Development Board.
- (x) Railway Board.
- (xi) Geological Survey of India.
- (xii) Central Public Works Department.

ORDERED also that the Resolution be published for general information in the Gazette of India and the Gazettes of the Governments of Rajasthan and Madhya Pradesh by the respective State Governments.

V. R. MEHTA, Dy. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi-1, the 1st March 1974

RESOLUTION

No. 19/3/72-Press.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 19/3/72-Press, dated 21st July 1973, the President is pleased to extend the term of the Fact Finding Committee to enquire into the Economics of the Newspaper Industry upto 30th June, 1974.

ORDER

ORDERED that a copy of the above resolution be published in the Gazette of India for public information and communicated to all concerned.

A. J. KIDWAI, Secy.

